पाठ - 1 वह चिड़िया जो

पष्ठृ संख्या:2

प्रश्न अभ्यास

कविता से

2. तम्हें ुकविता को कोई और शीर्षकदेनाहो तो क्या शीर्षकदेनाचाहोगे? उपयक्तु शीर्षकसोच कर विखो।

उत्तर

'छोटी वचविया'

3. इस कविता केआधार पर बताओ वक वचविया को वकन-वकन चीज़ों सेप्यार है?

उत्तर

वचविया को अन्न से, जंगि सेऔर वजस नदी से ह ठंडा और मीठा पानी पीती हैउससेप्यार है।

4. कवि नेवचविया को छोटी, सतोर्ीं, मुहँबोिी, गरबीिी वचविया क्यों कहा है?

उत्तर

वचविया आकार मेंछोटी हैइसविए कवि नेउसेछोटी कहा है।िह अन्न केदानेमेंही सतंष्टु है इसविए उसेसतोर्ीं बताया गया है।िह सारी बातों को बोि देतीहैइसविए उसेमुहँबोिी कहा है। िह छोटी होतेहए भी नदी सेपानी पीनेका साहसी काम करती हैइसविए गरबीिी वचविया कहा

गया है।

5. आशय स्पष्ट करो -

(क) रस उुँडेिकरगा ि ेतीहै

उत्तर

वचविया जब खशु होकर गानेिगती हैतब ऐसा िगता हैमानो
उसनेअपना सारा रस उस गानेमें उिवदया है।

(ख) चढ़ी नदी का वदि टटोिकर
जि का मोती ि ेजाती है

उत्तर

पष्ठृ सख्यां: 3

अनमानु और कल्पना

2. नीचेपवियों केकुछ नाम वदए गए हैं।उनमेंयवद कोई पिी एक
सेअवधक रंग का हैतो विखो वक उसकेवकस वहस्सेका रंग कै साहै?

जैसे तोते की चोंच लाल है, शरीर हरा है। मैना- हल्का काला रंग

कौआ - शरीर - काला रंग, पंख - हल्का या गहरा रंग

बतख - चोंच और पाँव-हल्का पीला रंग, शरीर - सफ़ेद पंखों से भरा

कबूतर - शरीर - सलेटी रंग, आँखें-लाल, पाँव-गुलाबी, गला - सतरंगी रंग

भाषा की बात

1. पखों◌ं
ि◌ाि◌ी
वचविया ऊपर
ि◌ाि◌ी दराज

नीि◌ेपखों◌ं ि◌ाि◌ी वचविया

सबसेऊपर ि◌ाि◌ी दराज

यहा◌ुरेखांवकत शब्द विशेर्णका काम कर रहेहैं।अगिपष्ठ पर' ि◌ाि◌ा/ि◌ाि◌ी' जोि◌कर बननेि◌ाि◌े कुछ और विशेर्णवदए गए हैं।ऊपर वदए गए उदाहरणों की तरह इनकेआगेएक-एक विशेर्णऔर जोि◌ो -

..... मोरों ि◌ाि◌ा बाग

▶ रंग-वबरंगे

..... पेडोंि◌ाि◌ा घर

▶ हरे-भरे

..... फू◌ि◌ों ि◌ाि◌ी क्यारी

▶ ि◌ाि◌

..... खादी ि◌ाि◌ा कुताष

▶ सफ़े द

..... रोनेि◌ाि◌ा बच्चा

▶ ज्यादा

.... मुँछों◌ू ि◌◌ाि◌◌ा आदमी

▶ बिी

2. ि◌ह वचविया .... जंडी◌ु खा ि◌◌ेतीहै।
केदानेरुवच से........ ि◌ह वचविया
.... रस डुंँडेि◌कर गा ि◌◌ेतीहै।

कविता की इन पवक्तयों◌ं मेंमोटेछापेि◌◌ाि◌◌ेशब्दों को ध्यान सेपढ़ो। पहिि◌◌ाक्य में'रुवच से' खानेके ढंग की और दसरेू ि◌◌ाक्य में'रस डुंँडेि◌कर' गानेकेढंग की विशेर्ताबिता रहेहैं।अत: येदोनों विया-विशेर्णहैं।नीचेवदए ि◌◌ाक्यों कायषकेढंग या रीवत सेसबंवधतं विया-विशेर्णछा◌ुँ◌टो-

(क) सोनाि ी जल्दी-जल्दी म ुहँमेंि ड्डूठू ु ँसनेि गी।

▶ जल्दी-जल्दी

(ख) गेंदिढ़कती ु हई झावियों मेंचिी गई।

▶ िढ़कती ु हई

(ग) भकूंप केबाद जनजीिन धीरे- धीरेसामान्य होनेि गा।

▶ धीरे- धीरे

(घ) कोई सफ़े -दसी चीज धप्प सेआुँगनमेंवगरी।

▶ सफ़े-दसी

(ड) टॉमी फुती सेचोर पर झपटा।

▶ फुती से

(च) तेवजंदर सहमकर कोनेमेंबैठगया।

▶ सहमकर

(छ) आज अचानक ठंड बढ़ गई है।

▶ अचानक